आरती श्री बजरंगबली जी की

जय बजरंग बली स्वामी जय बजरंग बली,
सुमिरत नाम तिहारो, निश्चय विपद टली ।।टेक।।
बाल पतंग सुलीला, करी ली कीति भली,
स्वामी भक्ति तुम्हारी जग फूली फली ।
रघुरति काज सिधारे अधरत लंक जली,
मुंदरी ले प्रमुदित हो मणि दी जनक लली ।
रण में शक्ति प्रहारी जब मेघनाद छली,
तुम संजीवनी लाए लक्ष्मण अंग रली ।
खल अहिरावन लायो दोऊ देन बली ।
तुम रक्षक हो राखी द्वय चुनरिन अचली,
शारद शेष बखानै हनुमत गुण अवली ।
रघुवर लखन सिया की विकसित हृदयकली,
राम नाम छवि महिमा हृदयांकित करली ।
कहिमांडव्य सुयश तब तुलसी भव तरली ।।

विवरण

जिनके नाम का स्मरण करने से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं, ऐसे बजरंगबली स्वामी जी की जय हो । इनके बचपन की सुन्दर लीलाएँ मन को बड़ी ही भली लगती हैं । इन स्वामी के भक्ति से ही पूरा संसार हरा-भरा है । श्री राम जी के सभी कार्य इन्होनें भली प्रकार पूर्ण किए हैं एवं रावण की नगरी लंका को इन्होनें जला डाला ।

जब सीता जी ने इन्हें उपहार स्वरूप मणियों का हार दिया तो उसे लेकर इनका मन प्रफुल्लित हो उठा । जब युद्ध क्षेत्र में मेघनाथ ने इनको छलने की कोशिश किया, तो ये उस पर अपनी शक्ति का भीषण प्रहार किये । लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा केलिए ये संजीवनी बूटी भी लाये ।

ये माता सीता जी के रक्षक भी हैं । इनके गुणों का ब्याख्यान सभी देव मुनि लोग करते हैं । श्री राम जी के, लक्ष्मण एवं सीता जी के,अधीर मन को धीरज बँधाने वाले हनुमान जी हैं । मांडव्य जी कहते हैं कि श्री राम जी के नाम और यश की महिमा हृदय में बैठा कर ही तुलसीदास भवसागर से पार उतरे ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.